MAULANA AZAD NATIONAL URDU UNIVERSITY

PROGRAMME : M.A,(HINDI),

I – SEMESTER EXAMINATIONS , DECEMBER, 2017

PAPER CODE: MAHN101CCT

PAPER TITLE : ADHUNIK HINDI KAVYA

TIME: 3 HOURS TOTAL MARKS: 70

सूचनाएँ:-

यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभाजित हैं। भाग - I, भाग - II, और भाग - III. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर, निर्धारित शब्दों में दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।

भाग - I

I. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में दीजिए। 10 X 1 = 10

I. "कामायनी" महा काव्य का अंतिम सर्ग --------- हैं।
II. महादेवी वर्मा की ज्ञानपीठ पुरस्कृत रचना का नाम---------- है।
III. "साकेत" महाकाव्य में _____ पात्र की उपेक्षा की गयी है।
IV. निराला की 'सरोज स्मृति' ---------- की यादगारों में लिखी गयी है।
V. "कामायनी" महाकाव्य का रचना काल ---------- है।
VI. "नीरजा" काव्य किसकी रचना है। _____
VII. "कामयनी" महाकाव्य पर---------- का प्रभाव है।
VIII. प्रकृति के सुकुमार कवि पंत का जन्म स्थल ---------- है।
IX. "युगवानी" काव्य-ग्रंथ की रचना ---------- की है।
X. उर्वशी काव्य का नायक ---------- है।

भाग - II

II. निम्न लिखित आठ प्रश्नों में से किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना अनिवार्य है। 5 X 6 = 30

2. भारतेन्दु हरिश्चंद्र का जीवन परिचय को स्पष्ट कीजिए।

3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के कृतित्वों पर प्रकाश डालिए।

4. कामायनी में इडा सर्ग का परिचय दीजिए।

5. रामधारी सिंह दिनकर का व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

6. मातृभाषा प्रेम के दो दोहों का अर्थ लिखिए।

7. जयशंकर प्रसाद की रचनाओं का परिचय दीजिए।

8. "दशरथ विलाप" की मूल संवेदना क्या हैं।

9. मैथिली शरण गुप्त का जीवन परिचय दीजिए।

भाग - III

III. निम्न लिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों मे देना अनिवार्य है। 3 X 10 = 30

I निम्न लिखित कविताओं की संधर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

10. कौन हो तुम ? वसंत के दूत विरस पतझड़ में अति सुकुमार।

घन-तिमिर में चपला की रेखा, तपन में शीतल मंद वयार।

11. दरसों परसो घन, बरसो

सारसो जीर्ण शीर्ण जगती के तुम नव यौवन, बरसो।
घुमड़ उठो आषाढ़ उमड़कर पावन सावन, बरसो।
भाद्र भद्र, अश्विनी के चित्रित हस्ति, स्वाति घन बरसो।

12. " कामायनी " के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए।

13. " उर्वशी " काव्य में चित्रित मूल समस्या को स्पष्ट कीजिए।

14. " राम की शक्ति पूजा " काव्य की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

@@@@@@